ference to goods train resulting into taking 25 to 36 hours for its journey;

(c) whether passengers who travel on this train have demonstrated at Vishakhapatnam and Kirandaul to regulate the timings and have urged for not cancelling it half way etc.;

(d) if so, the details thereof; and

(e) the steps proposed to be taken for running of the train as per schedule?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI MALLIKARJUN): (a) Yes, Sir; in one direction it takes 17 hrs. 15 minuets and in the other direction 18 hrs. 45 minutes.

(b) The train has been taking excessive time on account of heavy movement of iron ore traffic on the Section and difficult operating conditions due to sharp curves and consequent speed restrictions.

(c) and (d) There have been some demonstrations against late running of the train.

(e) Intensive chasing and round the clock monitoring.

बम्बई-डोंड-मन्माड यात्री रेलगाड़ी को रद्द किया जाना

3217. **डा० बापू कालदाते** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बोम्बे, डोंड, मन्माड यात्री रेलगाडी को रद्द कर दिया गया है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि सरकार औरंगाबाद-मन्माड-डोंड-पुणे रेलमार्ग पर एक नई यात्री गाडी आरम्भ कर रही है ;

(ग) यदि हां, तो क्या सरकार औरंगाबाद-मन्माड-डोंड-पुणे-बम्बई मार्ग पर एक यात्री गाड़ी आरम्भ करने का विचार कर रही है ताकि मन्माड से पुणे तक के यात्रियों के लिए बम्बई से सीधी रेल सेवा प्राप्त हो सके ;

(घ) यदि नहीं, तो क्या सरकार मन्माड-पुणे के यात्रियों के लिए बम्बई तक सीधी रेल सेवा उपलब्ध कराने का विचार कर रही है ; और

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मल्लिकार्जुन) : (क) और (ख) पुणे और धोंड के रास्ते बम्बई और मनमाड के बीच चलने वाली पूर्ववर्ती 321/322 पैसेंजर गाडी को बहुत पहले मई 1988 में बम्बई और पुणे के बीच रद्द कर दिया गया था, तब से यह गाडी 1-2-92 तक धोंड के रास्ते पुणे और मनमाड के बीच 1321/1322 पैसेंजर के रूप में चला करती थी, बहरहाल, मनमाड-औरंगाबाद मीटर लाइन खंड को बडी लाइन में बदल दिए जाने के परिणामस्वरूप 1321/1322 पुणे मनमाड पैसेंजर और 1603/1604 धोंड-मनमाड पैसेंजर गाडी को 2-2-92 से औरंगाबाद तक बढा दिया गया है ।

(ग) और (घ) जी, नहीं ।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता ।

उत्तर प्रदेश में रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों के लिए सुख-सुविधाओं का अपर्याप्त होना

3218. **श्री ईश दत्त यादव** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश में आजमगढ, जौनपुर, मऊ, सुलतानपुर, फैजाबाद और गाजीपुर रेलवे स्टेशनों पर पर्याप्त सुख-सुविधायें उपलब्ध नहीं हैं ; और